NATIONAL CANCER GRID
COLLABORATION FOR CANCER CARE

नैदानिक परीक्षण जागरूकता

"हम मानते हैं कि जागरूकता बेहतर फ़ैसला लेने में मदद करती है।"

नैदानिक परीक्षण क्या है?

नैदानिक परीक्षण किसी मरीज की बीमारी का पता लगाने, निदान करने, इलाज करने और रोक कर, सेहत में सुधार के नए, सुरक्षित और असरदार तरीकों को समझने की एक प्रक्रिया है।

मुझे दिए गए पत्र में इस्तेमाल किये गए शब्द में समझ नहीं पा रही / रहा हूँ।

परीक्षण में हिस्सा लेने के लिए दिए गए पत्र जिसे "सूचित सहमति पत्र " भी कहा जाता है, उसे समझना बेहद जरूरी है। ऐसे समय में आप अपने रिसर्च डॉक्टर से पत्र में इस्तेमाल किये गए शब्दों का मतलब और जांच से जुड़े हुए अपने सवाल पूछ सकते हैं। आपके डॉक्टर आपके सवालों का जवाब देंगे साथ ही आपको जांच से जुडी जानकारी जैसे इरादा, अवधि, जोखिम, फायदा, आपत्कालीन संपर्क इत्यादि की जानकारी भी देंगे।

क्या नैदानिक परीक्षण का मतलब यह है कि अस्पताल में या डॉक्टर्स द्वारा मेरे ऊपर प्रयोग हो रहा है?

बिलकुल नहीं। नैदानिक परीक्षण पहले से प्रयोगशाला, पशुओं पर किये गए प्रयोग और वैज्ञानिक नियमों पर आधारित है। यह इंसानो पर शोध की सहमति देता है पर साथ ही यह पूरी तरह से कानून और नियमों के तहत किया जाता है। सभी अस्पताल / संस्थान के लिए आचार समिति की मंज़ूरी लेना ज़रूरी है, जो यह तय करती है की परीक्षण नैतिक और वैज्ञानिक रूप से सही है या नहीं।

यह मेरी मदद कैसे करेगा?

यह आपकी मदद कर भी सकता है और नहीं भी, लेकिन यहीं दवाइयाँ आगे जाके भविष्य के रोगियों को दिए जाने लायक बन जाएँगी। जैसा कि इन दिनों जो भी इलाज मौजूद है, सालों में किये गए शोध के परिणाम के रूप में सामने आया है। आपकी बीमारी के नतीजों में सुधार करने के लिए, हमे नैदानिक परीक्षण की ज़रुरत है।

यदि मैं नैदानिक परीक्षण में भाग लेता हूँ तो मुझसे क्या उम्मीद की जाती है?

आपसे परीक्षण की कुछ ज़रूरतों का पालन करने की उम्मीद की जाती है, जैसे बताये गए नियम के अनुसार दवाई लेना, समय पर आ कर डॉक्टर को दिखाना, किसी भी सेहत से जुड़ी परेशानी के बारे में डॉक्टर या रिसर्च स्टाफ को बताना, यदि कोई डायरी दी गयी है तो उसे पूरा करना, सभी फायदों और जोखिमों को सहमति देने से पहले पढ़ना, यदि आप अपना संपर्क बदलना चाहते हैं या पीछे हटना चाहते हैं तो इसके बारे में रिसर्च स्टाफ को बताना।

नैदानिक परीक्षण प्रतिभागी की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करता है?

नैदानिक परीक्षण राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय विनियमों के अंतर्गत किये जाते हैं साथ ही यह गुड क्लीनिकल गाइडलाइन्स (अच्छा नैदानिक दिशानिर्देश) का भी पालन करते हैं। यह गाइडलाइन्स / दिशानिर्देश प्रतिभागियों की सुरक्षा, उनके अधिकार एवं कल्याण के लिए, विज्ञान के नैतिक सिद्धांतों को मानते हुए बनाई गयी हैं।

NATIONAL CANCER GRID
COLLABORATION FOR CANCER CARE

मिथ्य और सत्य

मिथ्य	सत्य
मुझे मेरी जानकारी के बिना इलाज दिया जायेगा।	यह वास्तव में उल्टा है, नैदानिक परीक्षण में भाग लेने के लिए मरीजों को बुलाया जाता है और सूचित सहमति दस्तावेज़ पढ़ने और समझने के लिए दिया जाता है जिसे “इन्फोर्मेड कंसेंट” भी कहा जाता है। आपके अधिकार, सुरक्षा और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए कड़े दिशानिर्देश हैं जो पूरी प्रक्रिया में आदर और सम्मानित व्यवहार सुनिश्चित करते हैं।
नैदानिक परीक्षण में प्रवेश करने के बाद पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं है।	सूचित सहमति दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करने के बाद भी रिसर्च स्टाफ को बता के आप किसी भी समय पीछे हट सकते हैं। इसके लिए आपको कोई कारण बताने की आवश्यकता नहीं होती है।
मेरी जानकारी की गोपनीयता नहीं रखी जाएगी।	नैदानिक परीक्षण के सभी सिद्धान्तों में से, सुरक्षा और प्रतिभागी की गोपनीयता बनाए रखना रिसर्च स्टाफ की परम ज़िम्मेदारी है। परीक्षण के लिए आवश्यक जानकारी के लिए प्रतिभागी को रिसर्च स्टाफ द्वारा अवगत कराया जाता है. यदि प्रतिभागी परीक्षण के लिए अपनी जानकारी नहीं देना चाहता तोह वह किसी भी समय मन कर सकते हैं।
अस्पताल में बार बार आना होगा।	जैसे की सभी परीक्षण की आवश्यकताएं अलग होती हैं, जिसके अनुसार ही अस्पताल में दिखाने की ज़रूरत तय की जाती है। कुछ ट्रायल्स के लिए साप्ताहिक और मासिक आधार पर अस्पताल जाना पड़ता है लेकिन कई परीक्षणों में इसकी आवश्यकता नहीं होती है। अतिरिक्त अस्पताल दौरे केवल प्रतिभागी की सुरक्षा के सन्दर्भ में ही कराये जाते हैं।
यदि मुझे नुकसान होता है तो उसके इलाज का खर्च मुझे स्वयं उठाना होगा।	आमतौर पर प्रायोजक द्वारा ही इलाज का खर्च उठाया जाता है. यदि परीक्षण के दौरान किसी प्रतिभागी को नुकसान होता है तो उसके मुआवजे के लिए भी प्रावधान दिए गए हैं।

बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (BIRAC) भारत सरकार का एक उपक्रम है जिसने वैद्यकीय परीक्षणों में तेजी लाने और समर्थन करने के लिए एक पहल की है।

संपर्क करें:

tmh.biracctn@gmail.com
https://tmc.gov.in/ncg/index.php/research/ncg-research-2
सीआरएस, तीसरी मंजिल, मुख्य भवन, टाटा स्मारक अस्पताल, डॉ. ई बोर्जेस मार्ग, परेल, मुंबई - ४०० ०१२ भारत

अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें।